Published on *Teachers of India* (http://teachersofindia.org)

[redacted] : [redacted]

By | [redacted] 28, 2014

▸[redacted]

[redacted] 2005 [redacted] 1998 [redacted] 30-32 [redacted] 110 [redacted]

- [redacted]?
- [redacted]?
- [redacted]? [redacted]?
- [redacted]?

[redacted] 12 [redacted] 110 [redacted] 65 [redacted] 45 [redacted] 12 [redacted]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

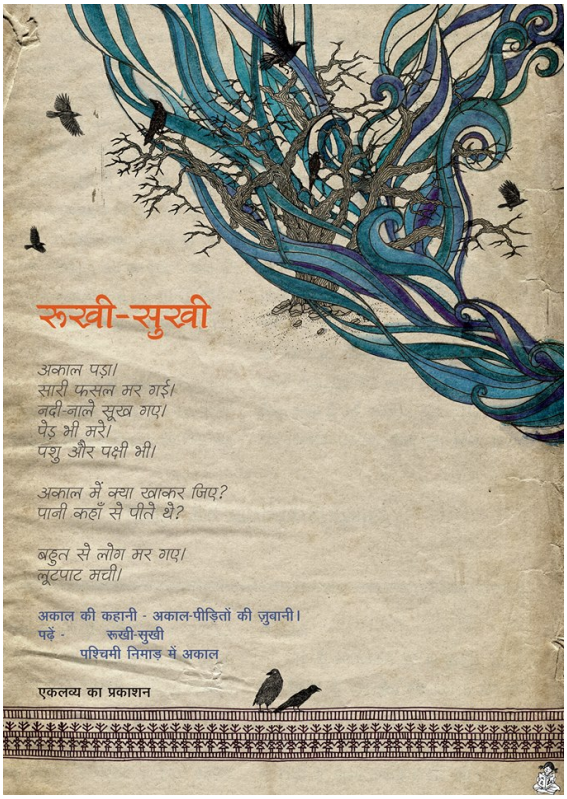
रूखी-सूखी
अकाल पड़ा।
सारी फ़सल मर गई।
नदी-नाले सूख गए।
पेड़ भी मरे।
पशु और पक्षी भी।
अकाल में क्या खाकर जिए?
पानी कहाँ से पीते थे?
बहुत से लोग मर गए।
लूटपाट मची।
अकाल की कहानी - अकाल-पीड़ितों की ज़ुबानी।
पढ़ें - रूखी-सूखी
पश्चिमी निमाड़ में अकाल
एकलव्य का प्रकाशन

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [

[illegible] [illegible] [illegible] ([illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]) [illegible] [illegible] [illegible] 'Teachers of India' [illegible] [illegible], 2014 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]